बुलाने से नहीं आते | By Mukesh Bagda |

बुलाने से नहीं आते
तो शक ये तुमपे करते हैं,
कि हमें तुम भूल बैठे हो,
हमें तुम भूल बैठे हो।
शिकायत हम नहीं करते,
गुज़ारिश तुमसे करते हैं,
कि हमें तुम भूल बैठे हो,
हमें तुम भूल बैठे हो॥

सदाएँ देख रहे हैं हम,
सदाएँ सुन के आ जाओ,
फ़क़त बस एक झलक अपनी,
प्रभु हमको दिखा जाओ।
अरज़ हमरी नहीं सुनते,
तो मन ही मन में डरते हैं,
कि हमें तुम भूल बैठे हो,
हमें तुम भूल बैठे हो॥

ये जग रूठे नहीं परवाह,
नहीं तुम रूठना हमसे,
हमेशा याद करते हैं,
नहीं तुम भूलना हमको।
लगे जब चोट भाव पर,
तभी तो भक्त कहते हैं,
कि हमें तुम भूल बैठे हो,
हमें तुम भूल बैठे हो॥

तड़पते हैं तुम्हारे बिन,
सज़ा अब और ना देना,
कहे तुमसे 'रवि' भी ये,
परीक्षा और ना लेना।
ये मौका फिर नहीं देना,
भक्त ये फिर से कह बैठे,
कि हमें तुम भूल बैठे हो,
परीक्षा और ना लेना॥

बुलाने से नहीं आते,
तो शक ये तुमपे करते हैं,
कि हमें तुम भूल बैठे हो,
हमें तुम भूल बैठे हो॥

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a5%81%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%a8%e0%a4%b9%e0%a5%80%e0%a4%82-%e0%a4%86%e0%a4%a4%e0%a5%87-by-mukesh-bagda/